

11-11  
 प्रति रंगे की  
 केम 13513-11  
 पनाम 11513 है  
 मई 1951  
 11-11-51  
 राजनाम

पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान  
 उपस्थित। वकील एवं प्रतिवादी स० 1 ता 5  
 तथा 6 की फोटो स्वयं उपस्थित होकर राजिनामा  
 पेश किया है इनकी प्रधान इनके अधिकार  
 गण द्वारा कि गयी है पत्रकारों के सहमती  
 व्यक्त किये जाने पर राजिनामा तस्कि क  
 किया जाता है तथा पत्रावली से शामिल  
 किया गया है। तादी ने पत्रकारों के वाद नहीं चलना  
 पाहता है। प्रत्येक हेतु खद्यता वकील पाहता है  
 पत्रावली वास्तु फादेशा हेतु दिनांक 6-11-51 को  
 पेश की।

सहायक कलेक्टर (द्वितीय) सीकर

6-11-51

पत्रावली पेश हुई/वकील वादी/उमयपक्ष  
 हाजिर पीठासीन अधिकारी चुनाव/अन्य कार्य  
 में व्यस्त है। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार  
 दिनांक... 8-12-51... को पेश हों।

8-12-51

पत्रावली पेश हुई/वकील वादी/उमयपक्ष  
 हाजिर पीठासीन अधिकारी चुनाव/अन्य कार्य  
 में व्यस्त है। पत्रावली पूर्व आदेशानुसार  
 दिनांक... 1-1-52... को पेश हों।

10-1-52

पत्रावली वास्तु निर्णय हेतु पेश हुई। वकील  
 पक्षकारान उपस्थित हुए। राजिनामा पत्रावली  
 में वादी एवं प्रतिवादी सख्या 1 लगायत 5  
 तथा 6 के मध्य वाद वास्तु समपदाओं के  
 संक्षेप में लोक अदालत की भाषना से  
 राजिनामा पेश किया गया है। राजिनामा  
 को पक्षकारान को पढकर सुनाया व

सहायक कलेक्टर (द्वितीय) सीकर

11-11-51  
 प्रति रंगे की  
 केम 13513-11  
 पनाम 11513 है  
 मई 1951  
 11-11-51  
 राजनाम  
 राजिनामा  
 पत्रावली  
 स० 1  
 स० 6  
 समित  
 पत्रावली  
 8-12-51  
 8-12-51



तथा भीवाराम की पत्नी रामकौरी प्रत्येक का  
 $\frac{1}{6}$   $\frac{1}{6}$  एक हिस्सा अधिकार एवं स्वतन्त्रता  
 के उद्घोषणा किया जाकर राजस्व रिकार्ड  
 में दुरुस्त किया जाने की आज्ञा जारी  
 की जाती है। तथा ख. नं. 150 रकबा 0.34  
 हेक्टर (नवीन ख. नं. 3214 | 1540, 3275 |  
 1540) एवं ख. नं. 1587 रकबा 0.19 हेक्टर  
 कुल किताना-2 कुल रकबा 0.53 हेक्टर एवं  
 वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ हुए भू-स्वान्तरण को  
 वर्तमान जमाबन्दी के अनुसार एक मात्र भूतवादी  
 सख्या 1 व 2 प्रीमती संतोष व प्रीमती कंगोती  
 देवी के नाम राजस्व रिकार्ड में रहे। अन्य  
 स्वतन्त्रता का भी एक हिस्सा इसके अतिरिक्त  
 वर्तमान जमाबन्दी के अनुसार प्रभावित रहे।  
 वादी ने जटवार के बाद अ. चारा 53 में  
 सहायता नहीं चाहने तथा जटवार का कूद  
 विज्ञा करने पर प्राथमिक डिक्री जारी नहीं  
 की जावे। अतः वादी का बाद अ. चारा  
 53 श. का. म. नि. ग्र. का स्वामीज किया  
 जाता है। केवल राजनामा के अनुसार  
 उद्घोषणा कि जाती है। राजनामा की  
 के अनुसार अन्तिम निर्णय किया जाता है।  
 इसी अनुसार अन्तिम डिक्री जारी किया जावे।  
 राजनामा निर्णय व डिक्री का भाग रहेगा।  
 निर्णय की पालना हेतु तहसीलदार सीकर को  
 तहरीर जारी है। पत्रावली मैशाल शुभावर  
 दीकर नम्बर से काम है। तजवीज तकाील  
 देखीस दफतर है।

निर्णय आज दिनांक 10-1-18 को सुले  
 न्यायालय में सुनाया गया है।